



समुद्री लुटेरे

सुपर कमाण्डो ध्रुव

नागराज

डिसेंबर 2011



फाइटर टोड्स



संजय गुप्ता पेश करते हैं

समुद्री लुटेरे

www.downcomix.com

राज कॉमिक्स है मेरा जूनून!

कथा लेखन : नितिन मिश्रा

चित्रांकन : स्तुति मिश्रा

इफेक्टस: शादाब सिद्दीकी

संपादक: मनीष गुप्ता

दुनिया को तबाह करने वाली हर बड़ी घटना की तरह इस घटना की शुरुआत भी एक अंधेरी सुनसान गली से हुई थी...

...राजापुरी बंदरगाह से शहर को जाती उस गली के सन्नाटे को उस रहस्यमयी लंगड़े के पदचाप भंग कर रहे थे।

ठक्क-ठक्क ठक्क-ठक्क!!

पंजू उस्ताद के इलाके से बिना टैक्स दिए मक्खी भी नहीं गुजर सकती तू तो आदमी है, एक बटा चार ही सही।

अबे अंटी में जो कुछ है निकाल, वरना दूसरी टंगड़ी भी छील के एक बटा चार से एक बटा दो कर दूंगा।

मेरी अंटी में जो है अगर मैंने निकाल दिया तो तुम लोगों का बहुत कुछ निकल जायेगा।

चल बे लंगड़े! निकाल फटा-फटा!

क्या निकालूँ?

साले लंगड़े हीरो बनता है! पाइ, अल्लू इसके बचे हुए हाथ-पैर भी छील कर चूँट बना दो साले को!

मैंने आज ही अपने चक्कू की धार लगाई है पंजू उस्ताद, इस लंगड़े पर ही टेस्टिंग करता हूँ।

त..तुम लोगों ने बाइक्स की आवाजें सुनीं।

घड़-घड़-घड़-घड़-वस्मम!!

ऊ..मर गए पंजू उस्ताद ये तो स..स्पेशल बाइक्स की आवाजें हैं...य...यानी आ गए हैं...



आधे मिनट
पश्चात्!

अब आप
आराम से अपने
रास्ते जा सकते
हैं मिस्टर।

"तुम चारों मुझे मूर्ख नहीं बना
सकते... मैं जान गया हूँ कि
तुम चारों टोड मानव ही हो।"

वर्षों से जिस
पल की प्रतीक्षा थी वो आने
ही वाला है... मेरा यहाँ आना
बेकार नहीं गया।

नुक्कड़ की रामलीला
में लक्ष्मण की पुर्विष्ठ करना
आज काम आ गया, वर्ना तो साले मार-
मार कर श्रुता बना देते, अब चलो
सबसे पहले मुझे अपनी पतलून
साफ करनी है।

ठहरो! तुम्हें
मेरी अंटी का माल
चाहिउ धा ना?

यह लो मेरी
अंटी का माल, आज से
यह तुम्हारा हुआ।

हाय
दर्इया ये क्या
है!

हाहहाहा.... अब
तैयार होगी कैप्टन
कैंटरपिल्लर की
सेना।

अक्क!

शुक-शुक-शक्क-शक्क!!





संडे का दिन, यानी छुट्टी और मौज मस्ती का दिन, जब राजनगर वासी अपनी रोजमर्रा की परेशानियों को भुला देते हैं और राजनगर समुंद्री तट बन जाता है देसी ब्राजील।



हम कुछ ही देर में राजनगर पहुँचने वाले हैं हब्बू खान, आज संडे के कारण भीड़ भी ज्यादा होगी समुंद्री तट पर।

वई-वई भीड़ तो हमको बहुत पसंद है मुत्तु स्वामी, आतंकवादी घटना करने को बिल्कुल वई-वई जगह होती है भीड़, पर...

लेकिन आज तीन मुरीबतों के सांड भी राजनगर में ही अपना सींग घुसेड़ने के मूड में थे।

...हम सुना कि राजनगर में ध्रुव नाम का कोई छोकरा रहता जो हम जैसे भोले-भाले आतंकवादियों की नाक में ऊँगली करता है।

तुम बिल्कुल ठीक सुना हब्बू खान, ध्रुव अपराधियों की नाक में ऊँगली भी करता और नाक का बाल भी उखाड़ लेता!



वई-वई ये ध्रुव तो बहुत खतरनाक मालूम देती फलश डि सूजा बिरादर।

हब्बू खान, हमारे पास जो वेपन होता उसका तोड़ ध्रुव के पास भी नहीं होना माँगता।

एकदम करेक्ट बोला फलश डि सूजा अन्ना, हमारे पास है इस सदी का सबसे डेंजर हथियार...

एटम बम से भी ज्यादा
विध्वंसकारी और यूरेनियम से भी ज्यादा
एडवांस्ड इन्वेनियम बम!

पर हब्बू खान, मुत्तु स्वामी और फलश डी सूजा
नहीं जानते थे कि उनकी बदकिस्मती भी उनके
साथ इस जहाज पर सवार थी।

अब तक तो सारी दुनिया
जान चुकी होगी कि हम कोई
ऐसे-वैसे 'डू' नहीं हैं।

ठीक बोलती मुत्तु
बिरादर ये बम अगर समुन्दर के पानी में
डूवेगी तो बड़ा वाला बूम करेगी जिससे ऐसा
समुंद्री तूफान आएगी जिसके सामने सुनामी
भी बेनामी लगनेगी बड़-बड़।

हम हैं आंगडू, बांगडू,
सांगडू और पांगडू FROM
PRIVATE DETECTIVE AGENCY
"DOO-DOODEL-DOO"!!

चीफ ने हमें इन तीनों
कुर्र्यात आतंकवादियों को
लेकर समुन्द्र में डूब मरने का
मिशन दिया है।

और हम इस
मिशन को भी डूबा देंगे...
मतलब आतंकवादियों को
समुन्द्र में डूबा देंगे।

वड़-वड़ फलश
डि सूजा बिरादर तुम खाने
के वास्ते कैंसा कैंकड़ा पीपे में
लाती, ये कैंकड़ा तो बचाओ-
बचाओ चिल्लाती!

तो देर
किस बात की है
डूडलस, एक्शन शुरू
किया जाये!!

पहले ये बताओ
हम जिस पीपे में हैं उसमें
क्या था, क्योंकि पीपे में
जो भी था अब हमारी
पतलून में है।

अबे! एक्शन
तो मेरी पैंट में
शुरू हो गया
है।

WHAT NONSENSE
MAN! मैं अभी देखता
पीपे में क्या होता!

पीपे में जो कुछ भी
था उन्हें देखने खुद
ही बाहर आ गया।

मम्मी!!!

चार-चार HUMAN CRABS!
हमको वॉर्न भी करता कि खुद को
बचाओ वर्ना स्वा जायेगा! देखता क्या
है अपना-अपना पिछवाड़ा उठा
के भागो मैन!



मैं तो यहाँ पेट्रोलिंग के लिए आया था क्योंकि तीन स्वतंत्रता आंदोलियों के राजनगर में घुसपैठ की टिप मिली थी पर यहाँ तो कुछ और ही माजरा नजर आ रहा है।



य अजीबो-धरौब प्राणी समुद्र से आया है, यहाँ के ब्लैक पिपर पाउडर और चिनी कम्बेशन सॉस का टेस्ट इसके लिए नया होगा।



आस्था में होती आघात तन्नामलाहट न इसे और ज्यादा आक्रामक बना दिया है।



राजनगर के रक्षक का ज़रा हुआ एक मुसीबत समुन्द्र में जा रही थी और महानगर समुन्द्र से एक दूसरी मुसीबत बाहर आ रही थी, जिसे रोकने में जुटा था...

महानगर का रक्षक

जानियारा



मेरे जालूस सर्पों के मुताबिक कुछ ही दूर पहले समुन्द्र से बाहर निकला है ये जलसर्प दैत्य, अच्छा हुआ मैं पास के ही शहर में मौजूद था इसलिए यहाँ पहुँचने में ज्यादा समय नहीं लगा और इसे तबाही मचाने का समय नहीं मिला।

समुन्द्र से निकलने इस प्राचुर जलसर्प दैत्य पर तो ध्वंसक सर्पों का प्रहार कोई भी प्रभाव नहीं डाल पा रहा है।



उफ! पात्री की धार का हाथियार के रूप में प्रयोग कर रहा है ये।



यह समुन्द्र से पानी का स्वाच कर उस हाथियार का रूप लेकर मझार वार कर रहा है। मेरी शारीरिक क्षतिपूर्ति तो मेरे सूक्ष्म सर्पसैनिक कर देंगे परन्तु इसके यह जलवार मेरा अंग-अंग भी कर सकते हैं।

इसके द्वारा का रक्त का सबसे
आसान तरीका है कि इसका
संपर्क समुद्र से काट दिया जाए।

इसका साथ ही हम सबसे कमबलत चीज
होती है, उसकी ओर किसी का ध्यान नहीं
जाता और साथ ही का फायदा उठाता है

ह तो यह जल संप
का ही विकसित रूप। प्राकृतिक
असहजता के कारण यह ज्यादा आक्रामक
हो गया है। इस तरह तो यह महानगर
म्यूजिसपल कॉर्पोरेशन का
अच्छा बेटा होगा।

समुद्र से बाहर आकर तो यह और
भी ज्यादा आक्रामक हो गया है।

जलसर्पों की एक सबसे बड़ी कमजोरी यह होती है कि भूमि पर रहने वाले सर्पों की अपेक्षा इनकी खाल बेहद कोमल होती है।

शाय-शाय शबल शबल

देखना है कि इसकी खाल को जलफनी सर्प काट पाते हैं या नहीं।

जलफनी सर्प इसकी शरीर का काट तो रह है, पर इसकी घावों से समुद्री सीवार जैसा जलसर्पों का जाल जकल रहा है जोकि मझे कैंड करने की चेन्टा कर रहा है।

इनकी कंड से ना में इच्छाधारी कणों में बदल कर आजाइ.....अरे ॥ इनकी जकड़ में मैं खद को इच्छाधारी कणों में नहीं बदल पा रहा हूँ।

इसा नहीं समझ है जब यह प्राणी किसी काले जादू से आभिर्भावित हो।

कहत है माँ की मार में भी बच्चा के लिए उसका दुलार छूपा होता है। दिन भर की धमा-धौकड़ी के बाद रात का वक्त होता है फाईटर टोड्स का अपनी माँ से कहानियाँ सुनने का।

तो बोलो बच्चा, आज कौन सी कहानी सुननी है?

पाइरेट्स वाली.... हाँ मम्मी पाइरेट्स वाली कहानी सुनाओ ना!

आज से हजारों साल पहले, धरती के सारे समुन्द्र एक ही महासमुन्द्र के रूप में पृथ्वी पर मौजूद थे, इस महासमुन्द्र का नाम "हम्मा हम्मा समुन्द्र" था, जिस पर राज करना था असीमित जादूई शक्तियों का स्वामी समुन्द्र का देवता हम्मा-हम्मा।

क्या वो भी अपनी टोपी से खरबोश निकाल सकता था?

हाहाहा, . नहीं मेरे भोलें भोलें बच्चों, हम्मा हम्मा का जादू इससे कहीं ज्यादा खतरनाक था।

आपने इसी काले जादू के घमड़ में चुर समुन्द्र देव हम्मा हम्मा सम्पूर्ण पृथ्वी पर एकछत्र राज करने के सपने देखे होंगे।

सभी देवताओं ने हम्मा-हम्मा देव की काले जादू की शक्तियों को उसके साथ ही समुन्द्र में कैद कर दिया। अब ना हम्मा-हम्मा देव समुन्द्र से बाहर निकल सकता था ना ही उसके काले जादू की शक्तियाँ।

पृथ्वी पर पृथ्वी वासियों के ऊपर वो जादू बेअसर था लेकिन समुन्द्र के पानी में हम्मा-हम्मा का जादू बेहद खतरनाक और जानलेवा था।

"मानवों का समुंद्री यात्रा करना बेहद दूभर हो गया, मानवों के जहाजों को हममा-हममा अपने काले जादू के समुंद्री तूफानों से डबा देता, और उसके जादूई समुंद्री राक्षस पारंगी मानवों को खा जाते।"

उस समय समुन्द्र पर ही बेहद खूबसूरत पाइरेट बिरोह का राज था। जो कि समुंद्री यात्रा करने वाले यात्रियों को भूटने के अलावा समुन्द्र किनारे बसे जहरों में भी भट पाट, मार काट मचाने दो।"

कौन है समुन्द्र का इकलौता बाप ?

आप हुनूर बेनमूडा आप!!

"धीरे-धीरे मानवों ने समुन्द्र की ओर जाना ही बंद कर दिया, पर हममा-हममा देव को तो पूरी मानव जाति का सर्वनाश कर देवताओं से अपने अपमान का बदला लेना था।"

समुन्द्र का सबसे बड़ा भूटरे कौन ?

तुर्सी ही बाशाओ, कैटरपिलर ही भूटरे।

"अपने कालेसत इरादों का पूरा करने का लिए हममा-हममा देव ने इन दोनों पाइरेट कानानों को अपना मोहरा बनाया और उनके सामने रखा वो प्रस्ताव।"

मुझे टंडा और दो कौड़ी का गूडा बोलना है।

मुझे भगदडीज बोलना है...

अबे भगदडीज का भगदडीज नहीं तो क्या अलाडीज बोलू। एक टांग से शर्दी करेगा त प्रिसेस टाइड से ?

मैं अपनी बेटी प्रिसेस टाइड की शर्दी उससे करूँगा जो सबसे ज्यादा मानवों के कटे हुए सिर मेरे पास ले कर आएगा मेरी बेटी के साथ-साथ उसे मेरे काले जादू की शक्तियाँ और मेरा अकूत समुंद्री खजाना भी मिलेगा।

आऊँSSS! प्रिसेस टाइड तो बड़ी बाऊSSS है तू लौट जा भगदडीज, मेरे साथ ही ब्रजेगी टाइड की शर्दी की बीजा

इस समुन्द्र और प्रिसेस टाइड पर मेरा ही अधिकार होगा, तू तो है सिर्फ दो कौड़ी का गूडा वो भी टंडा, समडा बेनमूडा !!







कमाल है, मछल भूजा नहीं था कि इस इतना आसानी से काट किया जा सकता है।

आह! यह क्या है।

समुद्री भूवर तो हमारा सतह से नीचे की ओर बजते हैं, यह कैसा भूवर है जो कि समुद्री तल की सतह से उठ रहा है ..

यानी यह सक्षम किसी बड़ा जहाज का हिस्सा मात्र था .

आर इस भूवर के बजते ही वा समुद्री सक्षम गायब हो रहा है

नागराज और जलसर्प दुनो की लड़ाई भी समुद्र के नीचे पहचने वाली थी।

कफापात्री का डबाव बहुत आसक है, मे खुद को भूवर में स्थितने से नहीं रोक पा रहा।

धृव को आपन भीतर समा कर भूवर में स्थित हो गया जैसे कभी आया ही नहीं था।

यह मछल वापस समुद्र में स्थित कर ल जा रहा है। जलसर्प जान ने बुरी तरह मछलें जकड़ रखा है, मेरे सर्प सैनिक भी मेरी मदद के लिए बाहर नहीं आ सकते।

कछ ही पला म-

मैं इसके जलसर्प जाल से आजाद हो गया।

ना मैं न पल्लव स ही बाहर निकले हुए, उन जादूफर्जी सर्पों को जलसर्प जाल काटने के मानासक निर्देश दे डिए, जिन्होंने इस जलसर्प देव्य पर बुरा किया था।

जलसर्प जाल में जकड़ जाऊँ स म, शरीर में बस करके जलसर्प जाँजक बाहर नहीं आ पा रहे थे।

यह जादूबाज अपना दुम का सहारा ले रहा है।

बहुत दम चलता है यह, इसका सबसे बड़ा हथियार है कि इसकी दम उखाड़ कर इसके हाथ में डे दी जाए।

फज्वाक!!!

फूँ... फूँ... फूँ...



अरे! यह भंवर समुन्द्र तल से कैसे उठ रहा है? नहीं...यह प्राकृतिक भंवर नहीं है। शायद इसमें फंसाने के लिए ही यह जलसर्प दैत्य मझे यहाँ भेजा है।

खत्म हो गया अनाज, मजे जिनका सोचा था उससे ज्यादा आसानी से ही काबू में आ गया यहाँ।

लोकन महानगर में ये आफत आई कहाँ से?

महाराज आ एक रहस्यमयी भंवर की चपेट में आ चुका था, समुन्द्र एक बार फिर शान था।

पानी का वेग बेहद तेज है, पलक झपकते ही मैं इस भंवर में खिंचा जा रहा हूँ। ऐसा लगता है जैसे कि कोई अदृश्य शक्ति मुझे इसके भीतर खींच रही है।

लोकन उस शस्त्र के मज मरिनांक में अनाजजन नफान उठ रहे थे।

हा जगह कामयाबी मिल गयी, अब सिर्फ बाकी है।

... राजापुरी

बाल्य ! अब
ये क्या हुआ
वे ॥

मैं तो सपने
में कैटरिजा के साथ
रेन डांस कर रहा था,
ये सचमुच का पानी
कहाँ से आ गया।
बहहहहह

टोड निवास का सारा सामान सुरक्षित
स्थान पर पहुंचाने के बाद।

टोड निवास का सारा सामान और
कम्प्यूटर की प्रयोगशाला के सभी उपकरण मैंने
और अटर्ने ने काब्रस्तान के पीछे वाली भनिया हवेली में
छुपा दिए हैं, वहाँ कोई आना जाना नहीं है इसलिए
हमारा सामान वहाँ सुरक्षित रहेगा।

मैं सपने
में जॉन सीजा
को डब्लू डब्लू ई.
टाईटल के लिए हराने
ही वाला था, सारे
सपने पर पानी
फिर गया।

पर ये
तो बरसात
का मौसम
भी नहीं है फिर
इतनी भयानक
बाढ़ कैसे
आ गयी।

ये बाढ़ में सोचना
पहले सामान सुरक्षित
जगह पहचाना होना वरना
बाढ़ के पानी में हमारा
कीमती सामान खराब
हो जायेगा।

अच्छा हुआ मैंने सभी
विविध उपकरणों पर वॉटरप्रूफ
शेल्मिंग कर दिया था वरना हमारा
टी.वी. भी खराब हो जाता।

अब हमें चल कर बाढ़ के कारण का
पता लगाया होगा। बाहर बरसात तो हो नहीं रही फिर
आखिर बाढ़ इनने उफान पर क्यों है।

पानी का बहाव
तो बाढ़ नम्बर 16 की ओर से
आ रहा है जो कि आगे जा कर
समुद्र में मिलता है।

हे टोड देव रक्षा कर।
समुद्र में तूफान आया है और
ये समुद्र की बाढ़ पूरे राजापुरी
को बहाव ले जा रही है।

अब मरग
मेरा बह गयी किसी ने
देखी क्या।

य कारी मोटी सी
चीज जिसके ऊपर तू बैठा है
रहा है वो क्या है?

वा
मेरी बीवी है
सामने।





अब पानी का डूबना
आज कैसे छोड़ना वे। यह
ओच इससे लड़े कैसे।

पानी का फौवारा बहुत
छोड़ चुका न।

अब मास्टर का
मुक्का खा कर खून
का फौवारा निकलना
नरे हलक से।

आज कल में डोना जी
की कॉमिक्स पढ़ रहा हूँ, ऐसी
थोड़ी डार्डलोन बाजी उन्ही की
कहानियों से सीखी है मेने।

मास्टर की
मार खा कर यह तो
वापस समुद्र की ओर
ही भाग रहा है।

कटर की तलवार
डूडू। आजकल में ओकाल जी
की कॉमिक्स पढ़ रहा हूँ उनसे ही
सीखे हैं ये डार्डलोन मेने।

अचानक आये समुद्र
तुफान का इस डूबन से जरूर कोई
ना कोई सम्बन्ध है, आओ यारो, हमें
भी इसके पीछे जाना होगा।

बीच
समुद्र में आते ही
यह फिर से हम पर
हमला कर रहा है जैसे
हमें यहाँ लाने के लिए
इसने यह चाल
चली हो।

इसकी सारी
चालवाजी इसके साथ ही
समुद्र में डूबो देगी।





हम्मा हम्मा समझू!

क्या बात है
साम्बा! यह चंचड़ा क्यों
फगला रहा है?

समझ में नहीं आता सरदार कि
जो बात चंचड़ा बना रहा है वो बात खुश
होने की है या दुखी होने की।

(फिर कमीने ने मुझ
सरदार कहा) गुर्रररर तू बात
बना, तारी बजानी है या भारी
यह मझ पर छोड़ दे।

बना ब
चंचड़े।

तीन महाप्रलयकारी
शक्तियां जिनमे से एक नाग
शक्ति, एक मानव शक्ति और एक
जलचर शक्ति है कल देर पूर्व ही
इस आयाम में प्राकट हुई हैं।

हम्मा यह तो
यकीनन तारियाँ बजाने वाली
स्ववर है साम्बा।

पर सरदार आपको तो पता है ना कि क्या भविष्यवाणी हुई थी। यह तीनों महारथी मिलकर स्वजाजा स्वोजने की कोशिश करेंगे और...

वो तीन महाशक्तियां ना तो इस मायावी आयाम और यहाँ की कार्ली शक्तियों से परिचित हैं और ना ही हमारी शक्तियों से हो सकता है...

अब भविष्यवाणी की तो बुर्ररररर

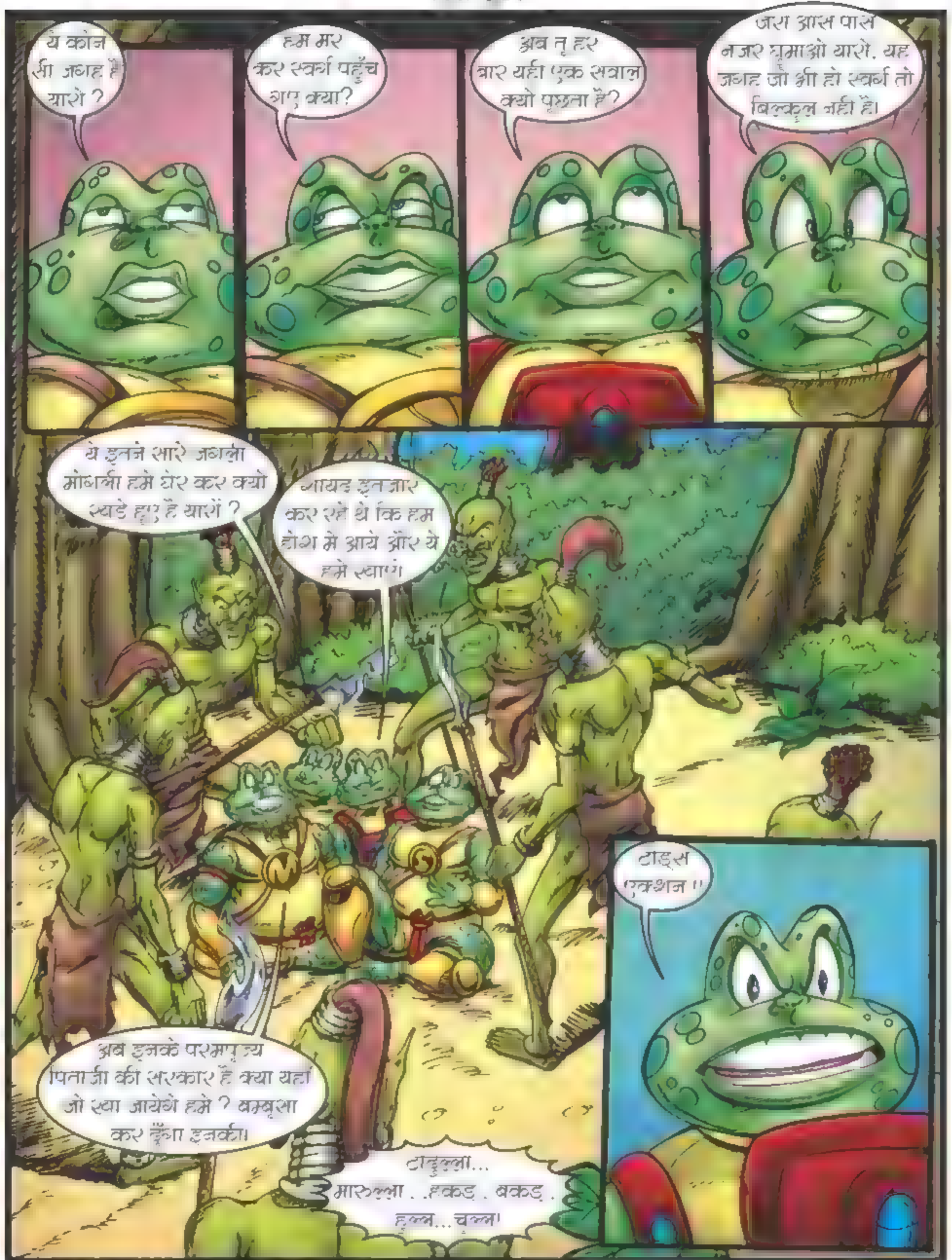
आह! अब श्री भविष्यवाणी की बात आती है सरदार हथे से उखड़ जाता है।

कि हमारे उनसे टकराने से पहले ही हममा-हममा आयाम की कार्ली शक्तियां ही उन्हें स्वतम कर दे, लेकिन अगर वे उन कार्ली शक्तियों से बच श्री बाग तो श्री स्वजाजे तक कभी नहीं पहुँच पाएंगे, क्योंकि उनकी मौत फिर बेममडा के हाथो होगी

पाइरट सना का जालन करे साम्रा!

जावा सोरु हाउ साधियों! हमारी आजादी का वक्त आ रहा है...जाओ !!





मरुतुला
मरुतुला ॥

बहुत फर्तीले है यह ना
कच्चारुओ की तरह उछल-कूद
कर के लड़ रहे है और हमारे
पारो को छका रहे है।

शाय-साय=सहस्रधाक

अपनी शाओविज की दोजब
कब काम आयेगी ऐसा समुदाई
कहा-फू डिस्वायेजे कि इन सबकी
छटी हो जायेगी।

जय टांड
देव। जय वरु भल्लाई
मासा ॥







नागराज जी।
और साथ में ध्रुव
जी भी ॥

हला
फाईटर
टोडसा।

लोकरज
आप लोग यहाँ
कैसे आ गए और
ये जगह है कौन
सी ?

मेरी सर्पइन्द्रियां
बता रही हैं कि हम
किसी दूसरे आयाम
में पहुँच गए हैं।

मुझे पता है।
मैंने फुकार, अवशेष,
चुनौती और हेडोन सभी पढ़ी हैं।
आप दोनों से ज्यादा आयाम यात्रा
का एक्सपीरिएंस किसी
को नहीं है।

यानी हम अपनी
दुनिया में जब उस भंवर में फसे
तो उस भंवर ने हमें इस दूसरे
आयाम में ला पटकवा।

बिल्कुल। मैं
और नागराज जी ठीक उसी
प्रकार इस आयाम में आये हैं
जैसे की तुम चारों...

आय। मृदु
व्यायाम तो पता था
पर ये आयाम क्या होता
है नागराज जी ?

इतना भी नहीं
जानता बूझू! आम स्था कर
व्यायाम करने को आयाम
कहते हैं।

इस ब्रह्मांड पर एक
ही समय में एक ही स्थान पर
कई अलग-अलग दुनियां बसती हैं
टोडस जो कि आपस में ना कभी मिल सकती
हैं, ना ही कभी इनमें बसने वाले प्राणी अपनी
दुनिया से दूसरी दुनिया में जा सकते
हैं। यही आयाम कहलाते हैं।

इसका मतलब
साफ है, कोई जानबूझ
कर हमें यहाँ भोजने के लिए
बालू चला रहा था।

बड़ी बात
भूटरी। अच्छे बच्चे कसम
नहीं खाने, ये बुरी आदत
होती है।

एक बार पता चल
जाए कि ये किसका काम
है, मर्मा कसम ..

पर हर आयाम दूसरे आयाम
के साथ किसी ना किसी रूप से जुड़ा होता है,
यही जुड़ाव वो कुजी है जिसे यदि किसी शक्ति से खोला
जा सके तो एक आयाम से दूसरे आयाम में जाया जा सकता
है, पर ऐसा करना बेहद घातक होता है... सिर्फ आयाम यात्रा
करने वाले के लिए नहीं अपितु पूरी सृष्टि के लिए।

सुना बंदे बच्चे! मेरी तलवार
ले लो ध्रुव जी और उसे डंडा बना कर
इसकी पुक्की पर पिटाई लगाओ, मर्मा
भी यही करती हैं इसके साथ।

सौरा नागराज जी। सौरा ध्रुव जी। अब मैं कसम नहीं खाऊंगा, पर ये कट्टर का बच्चा अपने आप को आप लोगों के सामने बड़ा अच्छा दिखा रहा है हमेशा धर्मेन्द्र जी के स्टाइल में "कसम पैदा करने वाले की" बोलता रहता है, पहले इसकी पुक्की पर पिटाई कराओ।



ये 'पुक्की' क्या होता है भाई?

अगर पछ लिया तो फिर इनकी टर्-टर् शुरू हो जायेगी।

भाब बनमा पोपट " आज तेरी दूम की इज्जत का सवाल है... टायं-टायं "



यूं किSSS ये कौन बोला ?



पर्वतों से आज मैं टकरा गया.. टायं-टायं... अबे अपुन के रस्ते में पहाड़ कौन खड़ा कियेला है बाप!

ये तो तोता है.. इंसानी भाषा बोलता तोता।



तुम हर-पीले श्रीद कौन हो बाप.. इधर कहाँ से आइने हो?

पहले तू बता कि तू कौन है?

वा ना दिख रहा है पर तू है कौन ??

अपुन.. अपुन पोपट। अबे श्रीद अपुन का नाम है बनमा पोपट।



तुम भाब क्यों रहे थे ?

अब याद आ आया बाप !! इस हरे हडसम से टकरा के तो अपुन का गजनी हो आया था अपुन भाब रेला है तुम लोग श्री भाबो क्योंकि 'यो' आ रेले हैं... टायं-टायं !!



नागराज जी दीक कह रहे हैं, देखो जबलियों की फौज इसी ओर आ रही है।

इन्दुका... भाबूका... भाबूका "

एकशन के लिए तैयार हो जाओ यारों।





वाह ! नगराज जी
भी आ गए हमारे साथ फाईट
में. अब आपका मजा।

सारी भुख
मिटा देंगे इस
भभूका की।

भभूका...
प्यार का भुखा..
भभूका को मारा..
भभूका मारेगा।

ओह ! बुरसा,
भभूका ने तो सर्प
रस्सी के जाल को
मेंगी नुडक्स की
तरह बिखेर
दिया।

इस सर्प रस्सी के जाल
में बाँध कर जमीन पर गिराना होगा।
एक बार ये नीचे गिर गया तो इसे काबू
करना आसान होगा।

भभूका
बुरसा. भभूका
मारेगा !!!

ऊफ!! हजारों
हाथों का बल है
इस भभूका के वार
में तो।

हाय !! लगता है जैसे
पचास मजिना इमारत हमारे सिर पर
आ गिरी हो। टर्लरलर....



भभ्रका
कचलेगा...

नहीं।
इधर सुनो प्यारे
भभ्रका।

ध्रुव जी को जरूर
कोई जादू आता है, इतने भयानक
शक्तियों को इतनी आसानी से काबू
कर लिया।

जिससे कपित
होकर यह उन पर
वार करता था। असल में
तो ये बेचारा सिर्फ किसी
का साथ और प्यार
चाहता था।

इसके इस रूप
के कारण जबकी इससे
घबराने थे और इस पर
हमला कर देते थे।

बाबाश।
इधर आओ प्यारे
भभ्रका।

टाक कहा ध्रुव
जी, ये भभ्रका तो सचमुच प्यार
का ही भस्वा है।

आह। अचानक
यह पूरा टापू सूखे पत्ते
की तरह क्यों कांपने
लगा।

भभ्रका
..प्यार का
भस्वा।

इस जादू
को प्यार कहते हैं
होइला।

सही कहा
नागराज, ये बेचारा तब
से बोल रहा था भभ्रका प्यार
का भस्वा इसका रूप देख कर
में समझ गया कि यह भोंटे का ही
अतिविशालकाय रूप है इसी से
मैंने ये अंदाजा लगाया कि
यह शाकाहारी होगा।

अरे भीड़ लोग,
तुम क्या इस प्यार के भस्व
के साथ दोस्ताना-दोस्ताना
खेल रहे हो, पूरा टापू डूब
रहा है भावों।





पूरा टापू
समुद्र के भीतर जलमग्न
हो रहा है।

टापू के
डूबने के साथ
ही...

...भभुका आर
जवानियों की टोली भी
वायविलीज हो गयी।

आय!
ये क्या जादू
है।

सही वाला
भीड़... ये जादूच है...
काला जादू।



इस आयात के बारे में अब
हमें अगर कोई जानकारी दे सकता
है तो वो तुम हो बलमा पोपट, बोलना
शुरू करो फटाफट।

धरती पर अपने PERSONAL
आयाम में

ससुरा कप्तान
अइबडगा फ्रॉम दरभंगा का
किस्मते खराब है जो तुम आतंक-
वादीयन के जहाजवा का कप्तान बना।
धुव से तो पीछा छुड़ाई के भाग
लिए पर समुद्री तूफानवा
घेर लिया हमको।

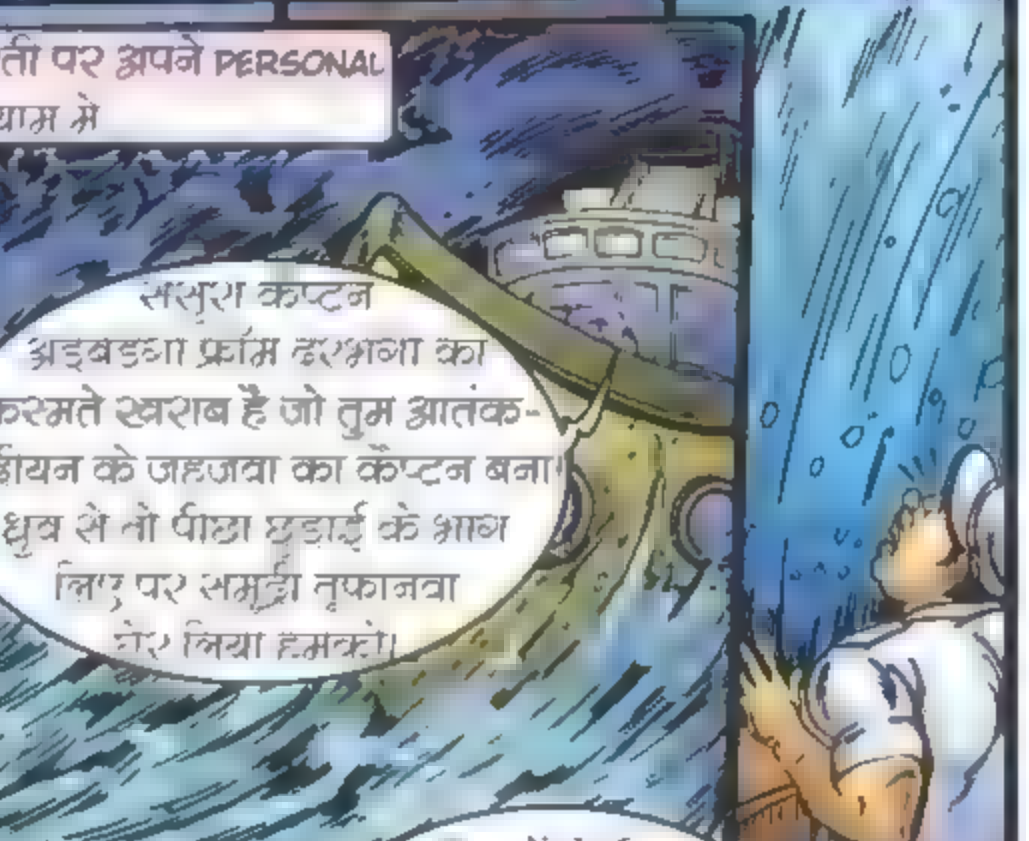
समुद्री तूफान से उड़ता लहर आप के डेक पर मरादान
होड रहे केकडा मानवा को सगवोर कर गयी।



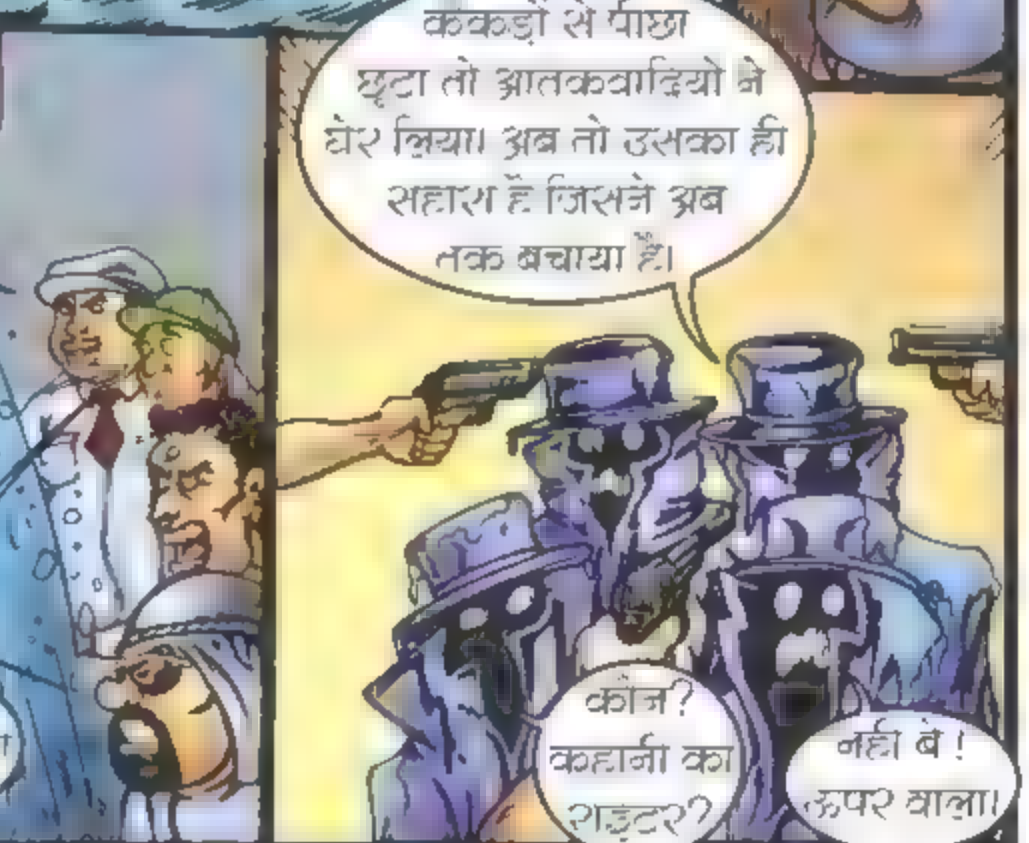
वई-वई
ये क्या होनी, केकडे
में से आदमी
निकलती।

अबो ई चारों
वही है जो केकडा
बन कर तुमका
डोड़ावत रहीं।

कप्तान ठीक
बोलता, ये चारों हमको
उल्ल बनाता।



केकडों से पीछा
छुटा तो आतंकवादियों ने
घेर लिया। अब तो उसका ही
सहारा है जिसने अब
तक बचाया है।



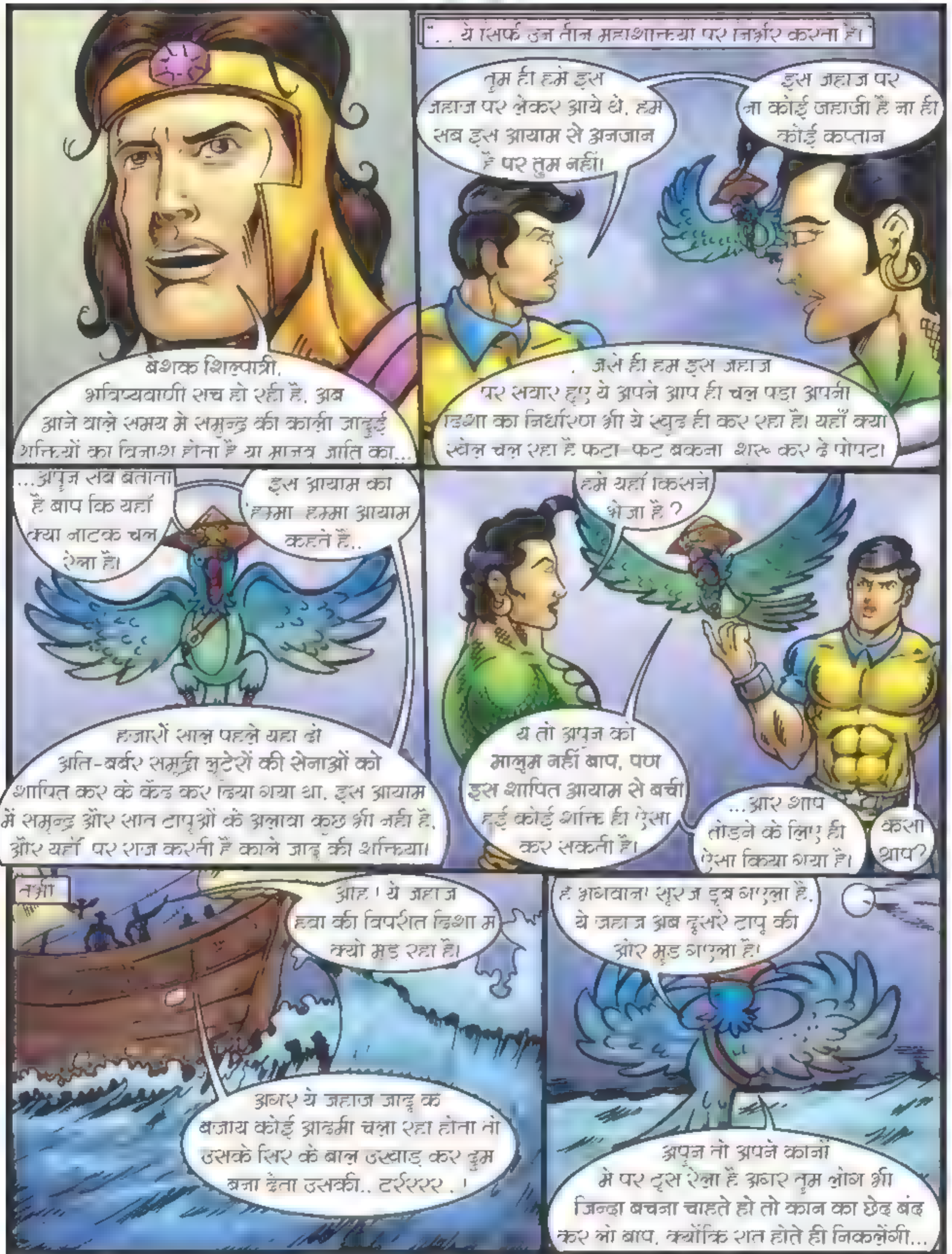
कौन?
कहानी का
गड्ढर?

नहीं बे!
रूपर वाला।







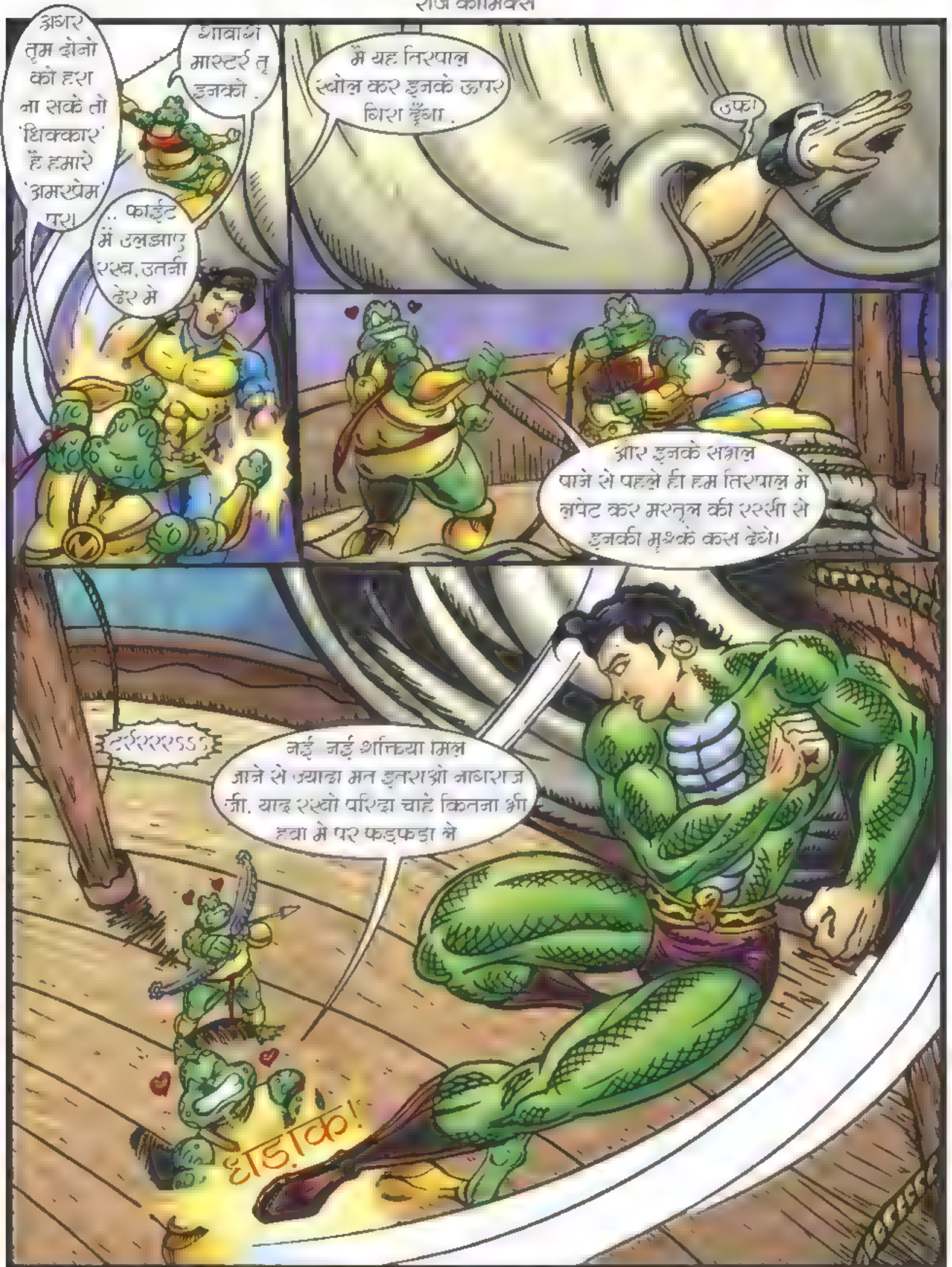














प्यार के दुश्मनों को प्यार
के दीवानों ने मजा चखा दिया,
अब आओ मजनुओं लेनाए,
पूकार रही हैं।

आइये...आ जाइये...आ
ही जाइए, यूँ ना टर् टर् कर के
हमे .तरसाइए ..!

आपनी मुहब्बत के पास आन म जरा
भी डेर नहीं की माँडर्न मजनुओं ने।

आय
तेरे दर पर
दीवानेSSS.

...असली धनुर्धार
उड़ती चिड़िया की ऑख
पर भी निशाना लगा
सकता है।

उफ

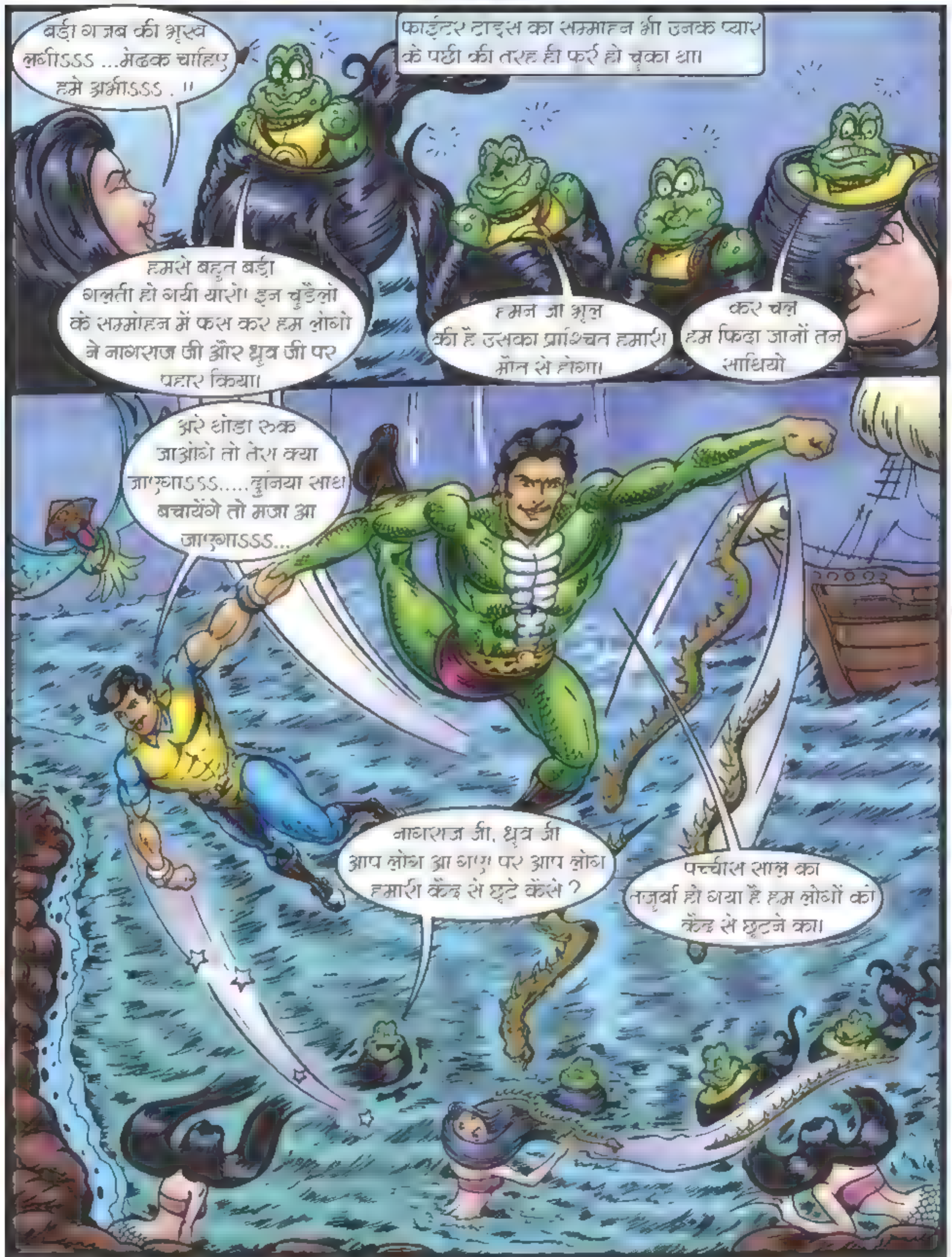
..आपनी भुख
मिटाने के लिए...ही...
ही ही ही!!

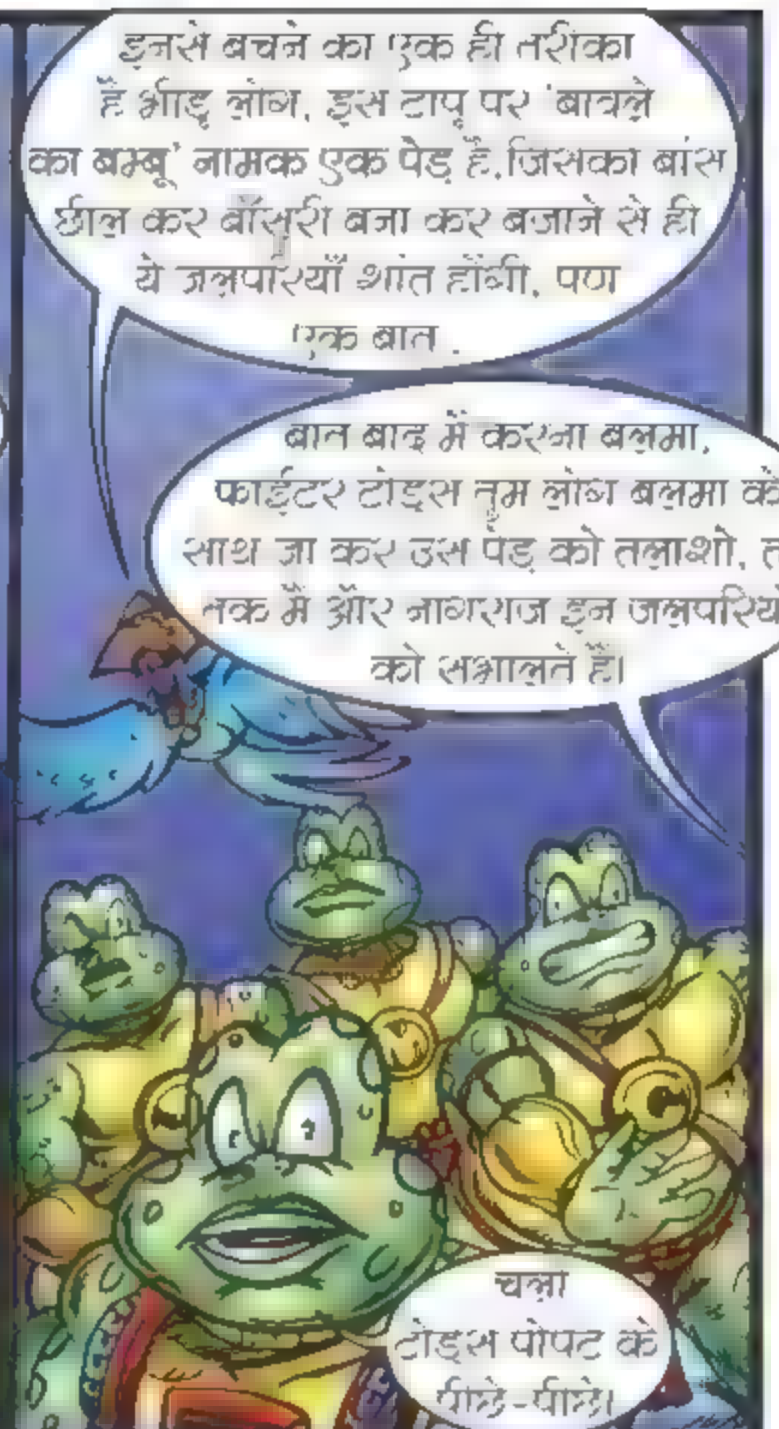
आओ बाँके
छेलों, तुम्हारी ही तो
प्रतीक्षा थी हमें..

टर्रररर..अब य
क्या हो गया ..यश चोपड़ा की
मोहब्बत ने राम गोपाल वर्मा की
आंख कैसे बन गयी।

तरी गलियों में
ना रखेगे कदम. आज
के बाद . .

अब पहले निकल
तो ले इनकी गलियों और
जुल्फों के जाल से।







फाईटर टाइस बलमा पापट के साथ टापू की स्वाक छान रहे थे।

कहाँ मिलेगा बावले का बम्बू ? हम उस पहचानेंगे कैसे ?

उसकी चिता मत करे भीड़ लोग, बावले का बम्बू तो देखने ही समझ में आ जायेगा...

...पण एक बात अपने तबसे तुम लोग को बताने की कोशिश कर रेना है कि

अभी नहीं बलमा, अभी बम्बू खोजने पे ध्यान दो वान बाढ़ में बताना।

परन्तु ज्यादा आगे नहीं बढ़ सक फाईटर टाइस

बू...हू...हू...हू...अब ये क्या बलाएँ हैं।

यह 'बावले के बम्बू' के रक्षक भेड़िये हैं, अबल तो जलपरियों से बच कर इस टापू पर कोई आना नहीं, और अगर कोई आ भी गया तो इनसे तो बिल्कुल भी नहीं बचता।

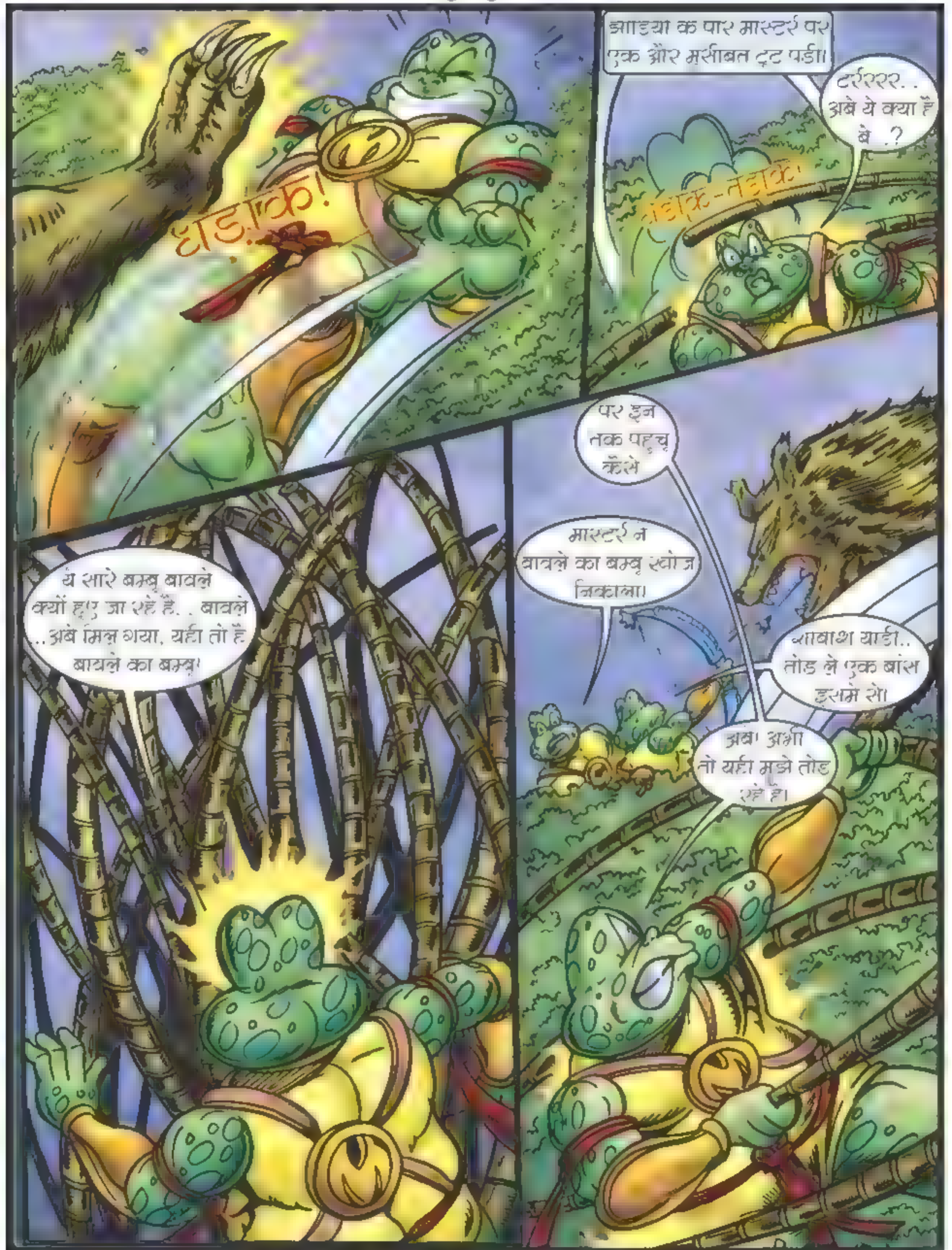
अब तो ये बात पहले क्यों नहीं बताई, तोते के अवतार वाले उल्लू।

अबे तबसे यही तो बताने की कोशिश कर रेना था मैं, मेंढक के अवतार वाले बधो, पर तूम लोग सुनो तब ना।



सही है बाप, तुम लोब फाईट सीन निपटाओ आपुन यहाँ ऊंची डाल पर बैठ कर इसका मजा लेता है, कम से कम यहाँ तो कोई भोड़िया नहीं पहुँचेगा, ही ही ही टाय टाय





झाड़ियाँ क पार मास्टर पर
एक और मर्सीबत दट पडी।

टर्रर्रर्र...
अबे ये क्या है
बे ?

धाड़क!

धाड़क-तडाक!

पर इन
तक पहुँच
केले

मास्टर न
बावले का बम्बू स्तोत्र
निकाला।

बाबाश यादी..
तोड ले एक बांस
इसमें से।

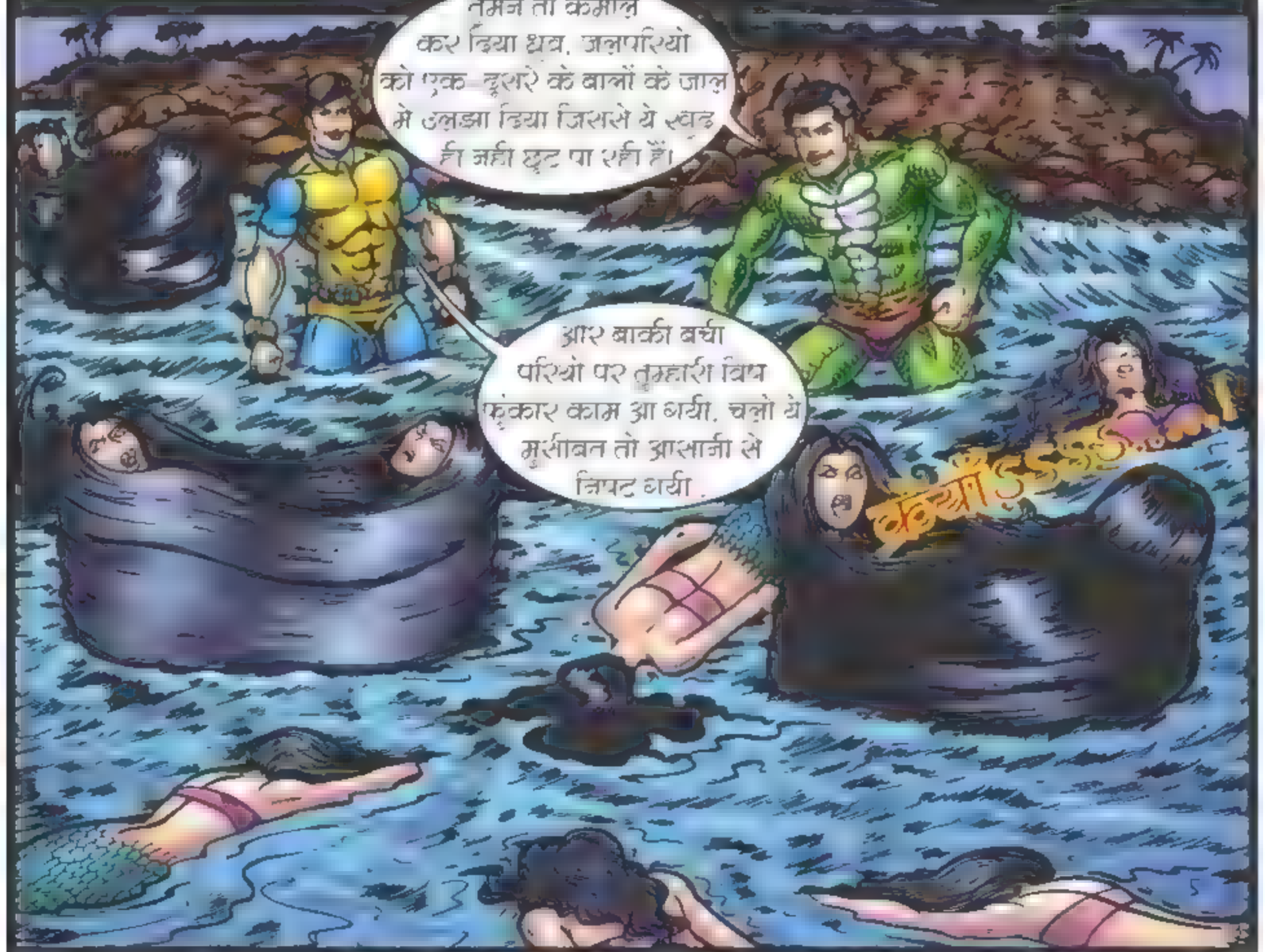
अब अभी
नो यही मझे तोड
रहे है।

ये सारे बम्बू बावले
क्यों हट जा रहे है.. बावले
..अबे मिला गया, यही तो है
बावले का बम्बू।



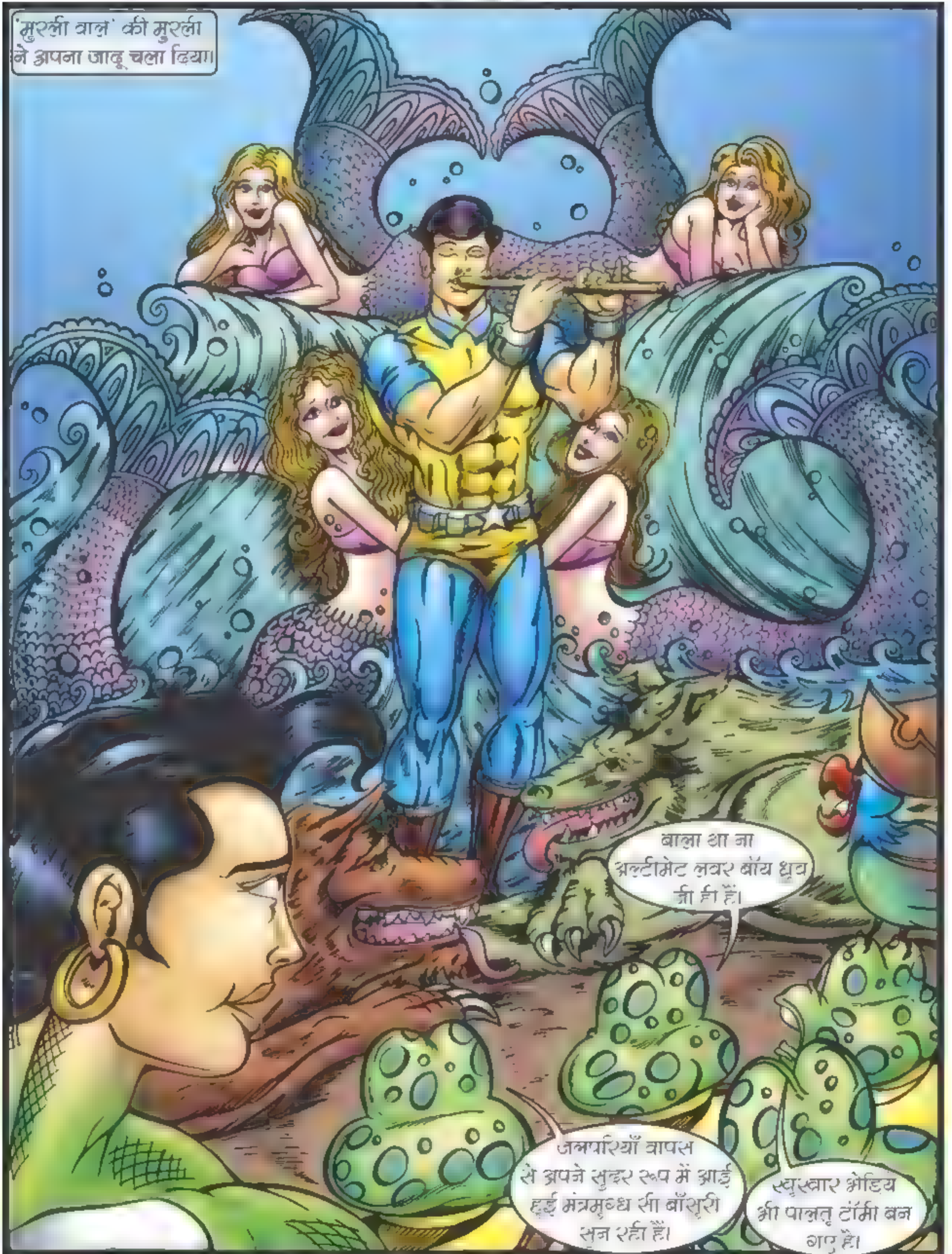


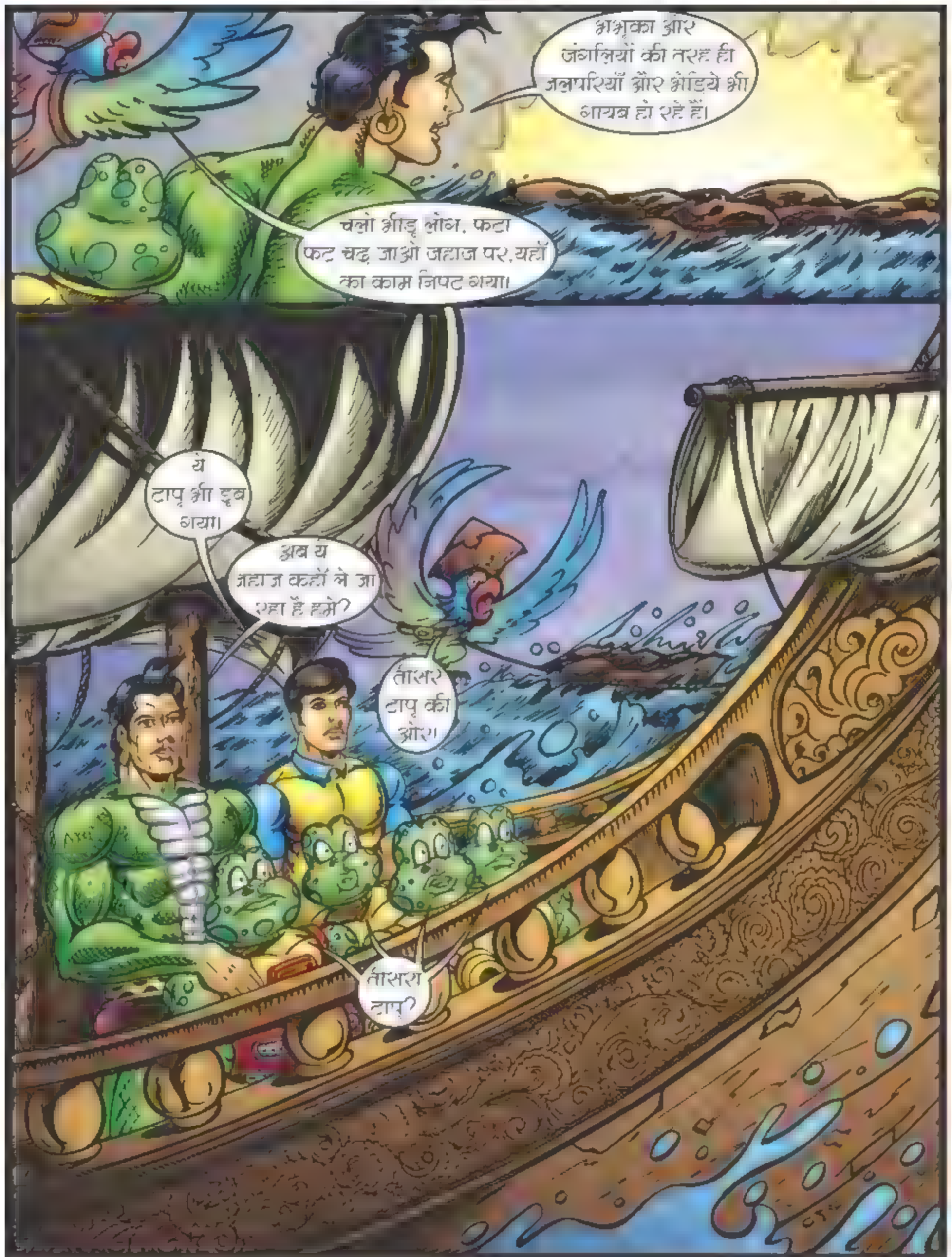
ये सारा काम हमें टापू के किनारे वापस लौटते हुए करना होगा, जाने नागराज जी और ध्रुव जी जलपरियों को अब तक कैसे रोक रहे होंगे।





'मुरली वान' की मुरली
ने अपना जादू चला दिया।





भभका और
जंगलियों की तरह ही
जलपरियों और भंडिये भी
बायब हो रहे हैं।

चलो श्रीडू लोअ, फटा
फट चढ़ जाओ जहाज पर, यहाँ
का काम निपट गया।

ये
टापू श्री डूब
गया।

अब ये
जहाज कहाँ ले जा
रहा है हमें?

तीसरा
टापू की
ओर।

तीसरा
टापू?





सावधान रहना श्रीदू लोग,
हर टापू के साथ अबले टापू की काली
जादुई शक्तियां और ज्यादा खूंखार व
खतरनाक होती जाएंगी।

लेकिन ये टापू तो बिल्कुल
सुनसान है, यहाँ तो कोई खतरा
नजर ही नहीं आ रहा।

वो खतरा सबसे
ज्यादा विकट होता है
टोड्स जोकि सामने नजर
ना आये।

इस टापू
का नाम क्या है
बलमा।

ये मुर्दों
का टापू है
बापा।

ही..ही..ही..मुर्दा
क्या मुझे तो यहाँ कोई जिन्दा भी
नजर नहीं आ रहा।

ले बाप, तैरे
दिल की तम्मना पूरी
हो गयी।

टापू की जमीन
से सड़े-गले मुर्दे निकल कर
हमें जकड़ रहे हैं।

ना सिर्फ जकड़
रहे हैं बल्कि अपने साथ
जमीन के नीचे भी खींच
रहे हैं।

हर्हर...हूऊऊऊ...

बू..हू..हू..हू...अब तो
बोलना ही पड़ेगा.....हुण अप्पा
दा की होऊ...!

जारी है अभी बेलमुंडा
का खजाना में!

हम्मा-हम्मा के काले जादू से अगर दुनिया को है बचाना, तो नागराज,
ध्रुव के साथ फाईटर दोड़स को मिलकर पड़ेगा समुंद्री लुटेरों को हराना।



...और समुंद्री लुटेरों को हराएगा
वही जिसके पास होगा...

बेलभुंडा का खजाना

नागराज, सुपर कमांडो ध्रुव और यारां दी टोली फाईटर दोड़स
का रोमांचक समुंद्री लहरों सा उफनता मल्टीस्टारर विशेषांक!

www.downcomix.com



DOWNCOMIX
COMICS